रचना आमंत्रण -

1. कविता, कहानी, लघुकथा, उपन्यास अंश सहित सभी साहित्यिक विधाओं की रचनाएं स्वीकार की जाएंगी।
2. एक रचनाकार एक बार में चार से अधिक कवितायें न भेजें।
3. नए विषयों पर आलोचनात्मक लेख, शोध-आलेख व नई पुस्तकों की समीक्षा स्वीकार की जाएंगी। समीक्षकीय पुस्तकों का चयन पत्रिका द्वारा किया जाएगा।
4. लेख व आलोचनात्मक लेख नए विषयों पर एकाग्र हों। उसकी स्थापनाएं स्पष्ट हों। उनमें बेवजह संदर्भों की उबासी न हो।
5. रचनाएँ भेजते समय फोटो के साथ अपना संक्षिप्त परिचय अवश्य दें।
6. पुस्तक समीक्षा भेजते समय समीक्षित पुस्तक व लेखक का भी पूरा परिचय अवश्य भेजें। समीक्षकीय पुस्तक छः महीना से अधिक पुरानी न हो।
7. मौलिक रचनाएं ही स्वीकृत होंगी। मौलिकता के लिए एक संक्षिप्त घोषणा-पत्र देना होगा।
8. शोध-पत्र के लिए संदर्भ साँचा (उद्धरण) ए.पी.ए. शैली में स्वीकृत है। पाठ के अंदर पादटिप्पणी अवश्य दें।
9. रचनाएँ सिर्फ हिन्दी भाषा (देवनागरी लिपि) में और यूनिकोड (कोकिला या मंगल) फॉन्ट में टाइप की हुई ही स्वीकृत होंगी।
10. लेखकों से अनुरोध रहेगा कि अपने लिखे से पूरी तरह संतुष्ट हो जाने के बाद ही प्रकाशन के लिए भेजें। गुणवत्ता और मौलिकता का जरूर ध्यान रखें। हम बेहद सम्मान के साथ आपको प्रकाशित करेंगे।
11. रचनाएँ प्रकाशित करने का अंतिम अधिकार संपादक मण्डल के पास सुरक्षित है। अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए हमें ईमेल (swanimhindiggv@gmail.com) करें। पत्रिका का प्रत्येक अंक ऑनलाइन माध्यम से पीडीएफ़ में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

- संपादक

मनखे मनखे एक समान।
पानी पीहू छान के, गुरु बनाहू जान के।

- गुरु घासीदास

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.)